

## राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन

### प्रलिस के लयल:

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन, सतत वकलस, नमामगलंगे कारयकरम, गंगा कारय योजना, राष्ट्रीय नदी गंगा बेसनि प्राधकलरण (NRGBA)

### मेन्स के लयल:

स्वच्छ गंगा के लयल राष्ट्रीय मशिन और संबधतल चुनौतयल।

[स्रोत : द हनलडू](#)

### चरचा में कयल

पछले सात वरषल में, जबकल [भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन \(NMCG\)](#) ने कुछ प्रगतलकी है, मशिन के लक्षयल को प्राप्त करने में अभी भी चुनौतयल वदलमान हैं।

### NMCG के तहत सीवेज उपचार की प्रगतल:

- NMCG ने गंगा नदी के कनारे स्थतल पाँच प्रमुख राजयल में उत्पन्न होने वाले कुल अनुमानतल सीवेजल के केवल 20% का उपचार करने में सकषम उपचार संयंत्र स्थापतल कयल हैं।
- ये राजय हैं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बहलर, झारखंड और पश्चमल बंगाल।
- NMCG ने अनुमान लगाया है कलसीवेज के लयल उपचार क्षमता वरष 2024 तक अनुमानतल मात्रा क33% तक बढ़ जाएगी, और वरष 2026 तक 60% तक बढ़ जाएगी।
- NMCG ने वरष 2026 तक लगभग 7,000 MLD सीवेज का उपचार करने में सकषम सीवेज टरीटमेंट प्लांट (STPs) स्थापतल करने की योजना बनाई है।
- जुलाई 2023 तक, 2,665 MLD की कुल क्षमता वाले STP चालू हो चुके हैं। हाल के वरषल में प्रगतलमें उल्लेखनीय वृद्धलहुई है, पछले वतलतीय वरष (2022-23) में STP की 1,455 MLD क्षमता पूरी हो गई है।
- STP और सीवेज नेटवरक [नमामगंगा मशिन](#) के केंद्र में हैं और कुल परयोजना परवलय का लगभग 80% हसलसा हैं।

### राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन (NMCG):

- परचलय:
  - 12 अगस्त 2011 को, NMCG को सोसाइटी पंजीकरण अधनलयम, 1860 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत कयल गया था।
  - इसने राष्ट्रीय गंगा नदी बेसनि प्राधकलरण (NGBA) की कारयान्वयन शाखा के रूप में कारय कयल, जसल पर्यावरण संरक्षण अधनलयम (EPA), 1986 के प्रावधानल के तहत गठतल कयल गया था।
    - NGBA का वरष 2016 में वधलटन कर दयल गया और उसकी जगह राष्ट्रीय गंगा नदी कायाकल्प, संरक्षण एवं प्रबंधन परषलद ने ले ली।
- उद्देशय:
  - NMCG का उद्देशय प्रदूषण को कम करना और गंगा नदी का कायाकल्प सुनशलचितल करना है।
    - नमामगलंगे, गंगा को साफ करने हेतु NMCG के प्रतषलठतल कारयकरमल में से एक है।
  - जल की गुणवत्ता और पर्यावरणीय रूप से सतत वकलस सुनशलचितल करने के उद्देशय से, व्यापक योजना, प्रबंधन एवं नदी में न्यूनतम पारसलथतलकल प्रवाह को बनाए रखने के लयल अंतरक्षेत्रीय समन्वय को बढ़ावा देकर इसे प्राप्त कयल जा सकता है।
- संगठनात्मक संरचना:
  - अधनलयम में गंगा नदी में पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम, नयलंत्रण और कमी के उपाय करने के लयल राष्ट्रीय, राजय एवं जलला स्तर पर पाँच स्तरीय संरचना की परकलल्पना की गई है:

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में **राष्ट्रीय गंगा परिषद**।
- माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) की अध्यक्षता में गंगा नदी पर सशक्त कार्य बल (ETF)।
- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन (NMCG)।
- राज्य गंगा समितियाँ
- राज्यों में गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों से सटे प्रत्येक नरिदष्टित ज़िलों में ज़िला गंगा समितियाँ।

## NMCG के समक्ष चुनौतियाँ:

- **भूमि अधिग्रहण:**
  - कई संयंत्रों को चालू होने में समय लगा क्योंकि **भूमि अधिग्रहण में समस्याएँ** थीं।
  - कई मामलों में, वसित्त परियोजना रिपोर्ट (जो किसी परियोजना को नष्टिपादति करने के लिये आवश्यक सभी कदम और एजेंसियों की भूमिकाएँ नरिधारति करती है) में संशोधन की आवश्यकता होती है।
- **स्थानीय पहल का अभाव:**
  - राज्य सरकारें यह मानकर चल रही हैं कि शोधन संयंत्रों का नरिमाण पूरी तरह से केंद्र की ज़िम्मेदारी है।
  - अपशष्टित प्रबंधन, वशिष रूप से MSW पृथक्करण और पुनर्रचकरण, स्रोत पर ही संचालन करने पर सबसे प्रभावी होता है।
  - हालाँकि मशिन को जल की गुणवत्ता की नगिरानी करने और स्थानीय नकियाँ का समर्र्थन करने के लिये गाँव और शहर स्तर के स्वयंसेवकों का एक कैडर बनाने की योजना थी, लेकिन मशिन को इन पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।
- **अनुचति ढंडगि:**
  - हालाँकि NMCG 20,000 करोड़ रुपये का मशिन है, लेकिन सरकार ने अब तक 37,396 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिये सैद्धान्तिक मंजूरी दी है, जिसमें से जून 2023 तक बुनयािदी ढाँचे के कार्य के लिये राज्यों को केवल 14,745 करोड़ रुपये जारी किये गए हैं।
- **नगरपालिका ठोस अपशष्टित प्रबंधन:**
  - गंगा में प्रवाहति होने वाले नगरपालिका ठोस अपशष्टित की समस्या का पर्याप्त समाधान नहीं कर पाने के कारण मशिन को आलोचना का सामना करना पड़ा।
  - नदी के किनारे स्थति कई कस्बों और शहरों में उचति अपशष्टित उपचार बुनयािदी ढाँचे का अभाव है, जिससे अनुपचारति अपशष्टित नदी में प्रवेश कर जाता है।
- **अपर्याप्त सीवरेज नेटवर्क:**
  - भारत की अधिकांश शहरी आबादी सीवरेज नेटवर्क के बाहर रहती है, जिसके परिणामस्वरूप अपशष्टित का एक बड़ा हस्सा STP तक नहीं पहुँच पाता है।
- **अनुचति अपशष्टित नपिटान:**
  - क्वालिटि काउंसलि ऑफ इंडिया के अध्ययन से पता चला है कि नदी के किनारे कई शहरों में घाटों के पास कूड़े के ढेर पाए जाते हैं, जो अनुचति अपशष्टित नपिटान प्रथाओं का संकेत देते हैं। इससे गंगा की नरिमलता के लिये खतरा उत्पन्न हो गया है।

## NMCG कार्यक्रम के प्रभाव:

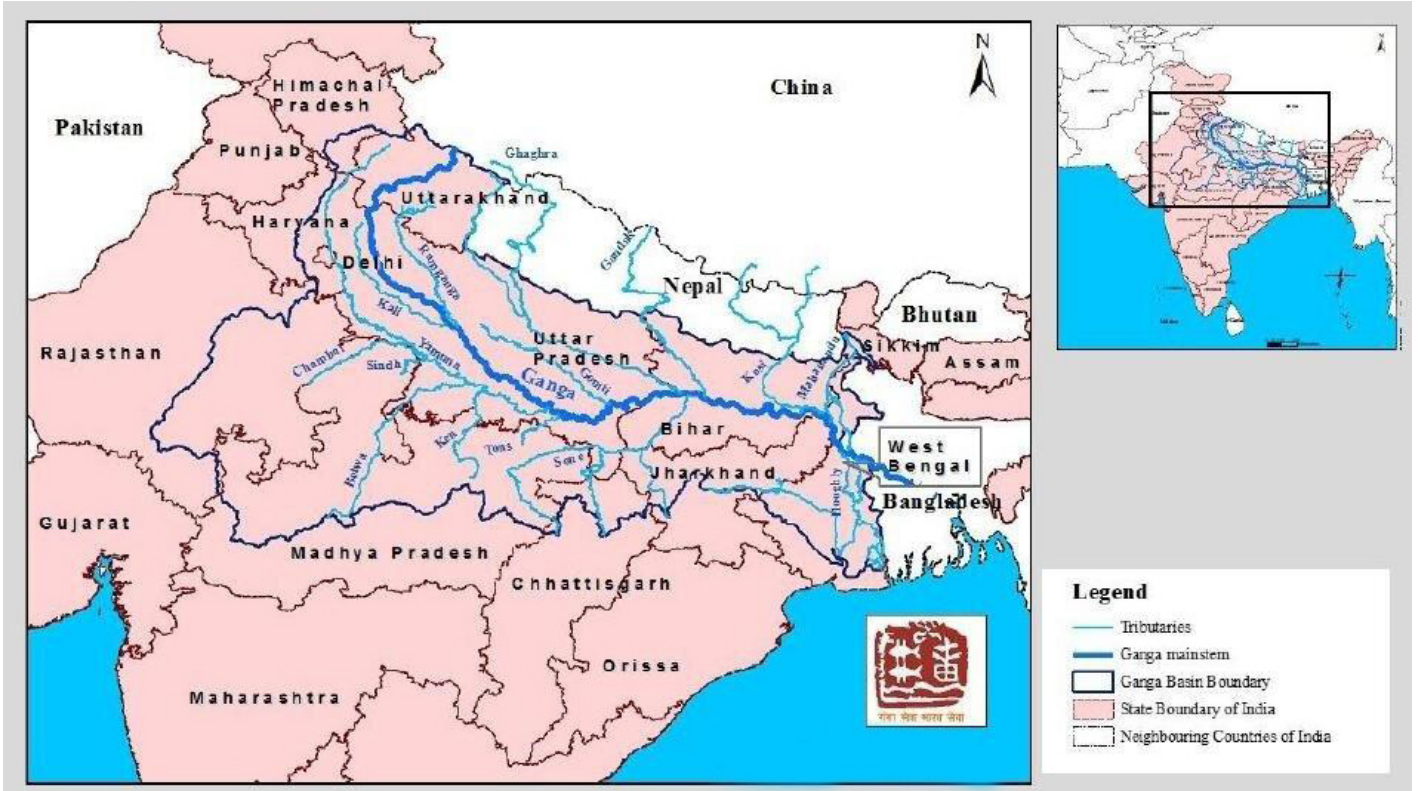
- नदी जल गुणवत्ता अब अधिसूचति प्राथमिकि स्नान जल गुणवत्ता की नरिधारति सीमा के भीतर है।
- डॉलफनि (वयस्क और कशिर दोनों - 2,000 से लगभग 4,000) की आबादी में वृद्धि गंगा के किनारे के जल की गुणवत्ता में सुधार का एक स्पष्ट संकेत है।
  - डॉलफनि गंगा नदी के नए हस्सों के साथ-साथ अन्य सहायक नदियों में भी देखे जा सकते हैं।
- मछुआरों ने पाया है कि **इंडियन कार्प**, (केवल साफ जल में पनपने वाली मछली की एक प्रजाति) अधिक संख्या में देखे जा रहे हैं। यह नदी जल सुधार का प्राकृतिक साक्ष्य है।
- केंद्रीय प्रदूषण नरित्रण बोर्ड द्वारा उपयोग किये जाने वाले वशिष्ट पैरामीटर (जैसे कि धुलति ऑक्सीजन का स्तर, जैव रासायनिक ऑक्सीजन की मांग और मल कोलीफॉर्म) नदी के वभिन्न हस्सों के लिये भिन्न होते हैं।
- NMCG अब **वायु गुणवत्ता सूचकांक** की तर्र्ज पर जल गुणवत्ता सूचकांक वकिसति करने पर काम कर रहा है, ताकि नदी-जल की गुणवत्ता के बारे में बेहतर ढंग से संवाद कया जा सके।

## गंगा से संबंधति पहलें:

- [नमामगिंगे कार्यक्रम](#)
- [गंगा एक्शन प्लान](#)
- [राष्ट्रीय नदी गंगा बेसनि प्राधकिरण \(NRGBA\)](#)
- [स्वच्छ गंगा नधि](#)
- [भुवन-गंगा वेब एप](#)
- [अपशष्टित नपिटान पर प्रतबंध](#)

## गंगा नदी प्रणाली

- गंगा की जलधारा जसैं 'भागीरथी' कहा जाता है, गंगोत्री हमिनद से पोषति होती है और यह उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मलित्ती है ।
- हरदिवार में गंगा पहाडों से नकिलकर मैदानी इलाकों की ओर बहती है ।
- हमिलय से नकिलने वाली कई सहायक नदियाँ गंगा में मलित्ती हैं, जनिमें से कुछ प्रमुख नदियाँ यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी हैं ।



//